INSTITUTE FOR HUMAN DEVELOPMENT
NEW DELHI • RANCHI • PATNA

BIHAR FOUNDATION
BONDING. BRANDING. BUSINESS.

Nālandā UNIVERSITY

बिहार वैश्विक विकास सम्मेलन 2027

समावेशी विकास, सक्षम समाज, समृद्ध राज्य

सम्राट अशोक कॉन्वेंशन सेंटर, पटना | 12-13 जनवरी 2027



पूर्व-अधिवेशन रिसर्च फोरम

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

बिहार का विकासः साक्ष्य, परिपेक्ष्य और विकास की नयी दिशाएं

पटना, 10-11 जनवरी 2027

Organised by

इंस्टिट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट
नई दिल्ली | रांची | पटना
www.ihdindia.org

बिहार फाउंडेशन
पटना
biharfoundation.bihar.gov.in

In collaboration with

नालंदा यूनिवर्सिटी
राजगीर, बिहार
https://nalandauniv.edu.in/

पृष्ठभूमि

बिहार आज अपनी विकास यात्रा के एक अत्यंत निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। राज्य की युवा आबादी, बढ़ती आकांक्षाएँ और देश-विदेश के श्रम बाजारों से मजबूत जुड़ाव इसे नई संभावनाएँ प्रदान करते हैं। वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के भारत के संकल्प में बिहार की प्रगति देश के भविष्य को तय करने में अहम भूमिका निभाएगी। पिछले दो दशकों में बिहार ने आर्थिक वृद्धि, आधारभूत संरचना, स्कूली नामांकन, सार्वजनिक सेवाओं और शासन-व्यवस्था में उल्लेखनीय प्रगति की है। इसके बावजूद, रोज़गार सृजन, औद्योगिकीकरण, शहरी विकास, निवेश, जलवायु परिवर्तन और मानव पूंजी निर्माण विशेषकर शिक्षा की गुणवत्ता जैसे क्षेत्रों में अब भी बड़ी चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

इसी संदर्भ में, **ग्लोबल कन्वेंशन ऑन ट्रांसफॉर्मिंग बिहार 2027** का आयोजन **12-13 जनवरी 2027** को पटना के सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य देश-विदेश के विद्वानों और विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, नागरिक समाज, विकास के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों तथा बिहार मूल के प्रवासी लोगों को एक मंच पर लाना है। सम्मेलन में इस बात पर विचार किया जाएगा कि बिहार को किस तरह समृद्ध, सक्षम और समावेशी अर्थव्यवस्था और समाज के रूप में विकसित किया जा सकता है। इस सम्मेलन का आयोजन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट (IHD) और बिहार फाउंडेशन (उद्योग विभाग, बिहार सरकार) द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जा रहा है।

यह अधिवेशन आईएचडी द्वारा आयोजित **2007 के ग्लोबल मीट ऑन रिसर्जेंट बिहार** और **2012 के ग्लोबल समिट ऑन चेंजिंग बिहार** की परंपरा को आगे बढ़ाता है। इसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक बिहार के विकास के लिए एक नई रूपरेखा प्रस्तुत करना तथा योगदान देना है।

यह पूर्णतः एक गैर-राजनीतिक सम्मेलन है, जो केवल बिहार के विकास और भविष्य की प्रगति के व्यापक हित में आयोजित किया जा रहा है।

बिहार के विकास संबंधी चुनौतियाँ

विगत दो दशकों में बिहार ने सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। तथापि, राज्य के समक्ष विकास संबंधी नई चुनौतियाँ उभर रही हैं, जिनके समाधान के लिए नए, समन्वित और दूरदर्शी दृष्टिकोण एवं समाधानों की आवश्यकता है। इन चुनौतियों में प्रमुख हैं: युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर सृजित करना; शिक्षा के स्तर में सुधार करना; कृषि उत्पादकता, विविधीकरण और मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करना; औद्योगिक विकास को गति देना; जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिमों का प्रभावी प्रबंधन; शहरीकरण का सुव्यवस्थित प्रबंधन; प्रवासी परिवारों तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी प्रवासन नीति तैयार करना; स्वास्थ्य और शिक्षा के परिणामों में सुधार; कृत्रिम बुद्धिमत्ता सहित तकनीकी परिवर्तनों का प्रभावी उपयोग; निवेश जुटाना और संसाधनों का कुशल प्रबंधन; बिहार के प्रवासी समुदाय की ज्ञान-संपदा और नेटवर्क का उपयोग; तथा सतत विकास के लिए संस्थागत क्षमताओं को मजबूत करना ।

अधिवेशन के मुख्य उद्देश्य

- राज्य के त्वरित विकास के अगले चरण के लिए उपलब्ध अवसरों और प्रमुख बाधाओं की पहचान करना।
- साक्ष्य-आधारित नीति सुझाव तैयार करना।
- वर्ष 2047 तक बिहार के विकास के लिए साझा दृष्टिकोण और कार्य-रोडमैप तैयार करना एवं

- राज्य के सतत और समावेशी विकास के लिए नीति निर्माताओं, विद्वानों, शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और बिहार प्रवासी समुदाय के बीच साझेदारी को मजबूत करना।

सम्मेलन के मुख्य विषय

बिहार सम्मेलन तीन प्रमुख विषयों पर केंद्रित होगा:

औद्योगिकीकरण को गति देना

बिहार का औद्योगिक आधार सीमित बना हुआ है, और राज्य की वृद्धि मुख्यतः विनिर्माण के बजाय निर्माण, सेवाओं और सार्वजनिक निवेश से हुई है। राज्य में उन उत्पादों में अवसर ज्यादा हैं जिनका उत्पादन बिहार पहले से करता है: खाद्य प्रसंस्करण, मखाना, मक्का, लीची और डेयरी, साथ ही एथेनॉल, वस्त्र और चमड़ा। मेहनती और योग्य कार्यबल की प्रचुर उपलब्धता को देखते हुए, गैर-पारंपरिक विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में भी अवसर मौजूद हैं। सेवा क्षेत्र की भी औद्योगिक वृद्धि को समर्थन देने और रोजगार सृजित करने में भूमिका है। फिर भी, राज्य के अधिकांश उद्यम स्वयं के खाते पर संचालित घरेलू इकाइयाँ हैं, जो ऋण, भूमि, विश्वसनीय बिजली और बाजारों तक पहुँच की बाधाओं से सीमित हैं, और बहुत कम उद्यम आजीविका निर्वाह की गतिविधियों से आगे बढ़कर श्रमिकों को रोजगार देने वाली फर्मों में परिवर्तित होते हैं। इस अधिवेशन के समक्ष प्रश्न यह है कि क्या बिहार बड़े पैमाने पर विनिर्माण उद्योगों के आने की प्रतीक्षा करने के बजाय कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन और उद्यमों की सघनता के माध्यम से औद्योगिकीकरण कर सकता है। अधिवेशन में औद्योगिक नीति और प्रोत्साहन, क्लस्टर विकास, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) का वित्तपोषण, औपचारिकीकरण, सेवा क्षेत्र और उभरते स्टार्टअप स्टार्टअप परिवेश पर भी चर्चा की जाएगी। इसमें यह चर्चा की जाएगी कि किन उपायों ने वास्तव में निवेश और रोजगार बढ़ाया है, तथा राज्य के भीतर प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन को स्थापित करने के लिए क्या आवश्यक होगा।

सतत शहरीकरण का प्रबंधन

बिहार भारत का सबसे कम शहरीकृत प्रमुख राज्य है, और यह एक नुकसान के बजाय एक आगे के नियोजित शहरीकरण के लिए अवसर है। इसकी अधिकांश शहरी वृद्धि केवल पटना में होने के बजाय जनगणना नगरों और छोटे तथा मध्यम शहरों में हो रही है। इसलिए राज्य अभी भी ऐसी स्थिति में है कि वह बाद में आवश्यक बदलाव करने के बजाय अपने शहरी संक्रमण की योजना पहले से बना सकता है। मुख्य बाधाएँ संस्थागत हैं: शहरी स्थानीय निकायों के पास सीमित वित्त, कर्मचारी और नियोजन क्षमता है, जबकि लगातार जलजमाव, अपर्याप्त जलनिकासी, आवास की कमी और जनसंख्या वृद्धि से पीछे रहने वाली सेवाएँ लगातार चुनौतियाँ बनी हुई हैं। पटना मेट्रो ने अपने प्राथमिकता वाले कॉरिडोर पर परिचालन शुरू कर दिया है, जबकि नेटवर्क का आगे विकास जारी है। मेट्रो के निरंतर विस्तार के साथ, उपग्रह नगरों और स्वयं के स्रोतों से राजस्व सुधार संबंधी हालिया प्रतिबद्धताएँ एक दिशा निर्धारित करती हैं, लेकिन उनके व्यापक परिणाम अभी सामने आने बाकी हैं। अधिवेशन में नगरपालिका वित्त और शासन, छोटे शहरों की भूमिका, ग्रामीण-शहरी संबंध, सेवा क्षेत्र, शहरी आजीविका और अनौपचारिक बस्तियों को शामिल किया गया है। इसमें यह भी विचार किया जाएगा कि सरकार गाँवों और उनके आसपास बुनियादी ढाँचे के विकास में कैसे सहायता कर सकती है, और उन शहरों के लिए स्थिरता का क्या अर्थ है जो अभी विकसित हो रहे हैं। यह बताना महत्वपूर्ण है कि बिहार के ग्रामीण इलाकों की 40% आबादी ऐसे गांवों में रहती है, जिनकी जनसंख्या पांच हजार या उससे अधिक है। बुनियादी ढांचे के विकास और शहरीकरण के नजरिए से ऐसे गांव महत्वपूर्ण हैं।

शिक्षा और कौशल का विकास

बिहार ने लगभग सार्वभौमिक स्कूली नामांकन हासिल किया है, जो दो दशकों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन नामांकन सीखने के परिणामों में परिवर्तित नहीं हुआ है। कमजोर बुनियादी अधिगम परिणाम, शिक्षकों के रिक्त पद, माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई छोड़ना और विद्यालयों की असमान गुणवत्ता स्कूली शिक्षा से प्राप्त होने वाले परिणामों को सीमित करते हैं। इसलिए सीखने के परिणामों में सुधार के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। उच्च शिक्षा में क्षमता माँग के अनुरूप नहीं बढ़ी है, और बड़ी संख्या में युवा पढ़ाई के लिए राज्य से बाहर जाते हैं, जिनमें से कई वापस नहीं लौटते। कौशल विकास की प्रणालियाँ मौजूद हैं, लेकिन वास्तविक श्रम माँग से उनका संबंध कमजोर बना हुआ है, जिससे रोजगार योग्यता सुनिश्चित किए बिना प्रमाणपत्र दिए जाते हैं। यह बिहार में लगभग किसी भी अन्य स्थान की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ भारत की सबसे युवा आबादी है, और जनसांख्यिकीय अवसर की अवधि अभी उपलब्ध है, लेकिन अनिश्चित काल तक उपलब्ध नहीं रहेगी। अधिवेशन में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अधिगम परिणाम और विद्यालय शासन, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, शिक्षा और कौशल विकास में डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), कौशल विकास और अप्रेंटिसशिप, शैक्षिक प्रवासन तथा शिक्षा से काम की ओर संक्रमण की चर्चा होगी, चाहे वह बिहार के भीतर का हो या बाहर के उन श्रम बाजारों में जहाँ इसके युवा प्रवेश करते हैं। अपनी समृद्ध परंपरा और ऐतिहासिक विरासत को देखते हुए, राज्य को ज्ञान के केंद्र और उच्च कौशल संपन्न केंद्र बनने का लक्ष्य रखना चाहिए।

विषयवार सत्र

नीचे दिए गए विषयवार सत्र सम्मेलन के इन तीन प्रमुख विषयों को समझने, उन पर चर्चा करने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण विचार और सुझाव देंगे।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि विविधीकरण और आजीविका

कृषि में विविधता, उत्पादकता और मूल्यवर्धन; पशुपालन और मत्स्य पालन; ग्रामीण गैर-कृषि उद्यम और आजीविका के विविध साधन; किसान समूह, बाजार से जुड़ाव; श्रमिक प्रवासन और ग्रामीण श्रम बाजार।

युवा, शिक्षा और रोजगार

बिहार के युवाओं की क्षमता का बेहतर उपयोग; कौशल विकास और रोजगार पाने की योग्यता बढ़ाना; पढ़े-लिखे युवाओं को शिक्षा से रोजगार में बदलना; गिग और प्लेटफॉर्म आधारित काम; रोजगार और पढ़ाई के लिए पलायन; घर भेजी जाने वाली कमाई और उसका परिवार तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान; प्रवासी कामगारों के अधिकार और सामाजिक सुरक्षा तक उनकी पहुँच; तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का रोजगार के भविष्य पर प्रभाव।

निवेश बढ़ाना और वित्तीय संसाधन जुटाना

केंद्र और राज्य के बीच वित्तीय संबंध और धन का बंटवारा; राज्य की वित्तीय क्षमता को मजबूत करना; बैंक और गैर-बैंकिंग संस्थानों के माध्यम से संसाधन जुटाना; निजी निवेश, जिसमें प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) भी शामिल है; कर और गैर-कर राजस्व बढ़ाना; सार्वजनिक खर्च की गुणवत्ता और प्रभावशीलता में सुधार; निवेश जुटाने में प्रवासी बिहारियों की भागीदारी।

औद्योगीकरण और उद्यम विकास

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा उद्यमिता; कृषि-आधारित उद्योग और मूल्यवर्धन; औद्योगिक क्लस्टर और उद्यम विकास; निवेश और वित्तीय संसाधनों तक पहुंच; ऊर्जा की उपलब्धता और भरोसेमंद आपूर्ति; तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई); औद्योगिक नीति और प्रोत्साहन; निजी निवेश, उद्यमों को औपचारिक व्यवस्था में लाना और उन्हें मजबूत करना।

शहरीकरण, छोटे शहर और स्थानीय विकास

शहरी बदलाव; छोटे और मध्यम शहरों का विकास; नगर निकायों की वित्तीय स्थिति, क्षमता और शासन; आवास और बुनियादी शहरी सेवाएं; अनौपचारिक बस्तियां और शहरी आजीविका; शहरी जल निकासी और जलभराव; बाढ़ प्रबंधन और शहरों की आपदा सहनशीलता; शहरी बुनियादी ढांचा और संपर्क; कचरा प्रबंधन; शहरी विरासत का संरक्षण; गांव-शहर संबंध और एकीकृत स्थानीय विकास; स्थानीय सरकारों और संस्थाओं को मजबूत करना।

शिक्षा और कौशल विकास

स्कूली, उच्च और तकनीकी शिक्षा; कौशल विकास और प्रशिक्षण की व्यवस्था; बिहार को उच्च शिक्षा के एक प्रमुख ज्ञान केंद्र और कौशल विकास के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करना; तथा विशेष रूप से उच्च और तकनीकी शिक्षा में सभी की पहुँच, समान अवसर और अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करना।

लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और उद्यमिता; जीविका और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी); महिलाओं की काम में भागीदारी; वित्तीय समावेशन और संपत्ति पर मालिकाना हक; महिलाओं की सुरक्षा और आने-जाने की स्वतंत्रता; महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और स्वतंत्रता; पुरुषों के पलायन का महिलाओं पर असर; उच्च शिक्षा और कौशल तक महिलाओं की पहुंच।

पर्यटन, विरासत और रचनात्मक अर्थव्यवस्था

सांस्कृतिक, धार्मिक और तीर्थ पर्यटन; बौद्ध तथा अन्य पर्यटन सर्किट; पर्यटन से जुड़ी बुनियादी सुविधाएं और संपर्क; ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों का संरक्षण; हस्तशिल्प अर्थव्यवस्था, कारीगर और बाजार तक पहुंच; सांस्कृतिक उद्यम और रचनात्मक अर्थव्यवस्था; पर्यटन के लिए जरूरी बुनियादी ढांचे और अनुकूल माहौल को मजबूत करना; पर्यटन को स्थानीय आजीविका और आर्थिक विकास से जोड़ना।

भागीदारी, नेटवर्क और बिहारी प्रवासी समुदाय

बिहार के विकास के लिए प्रतिबद्ध विभिन्न पक्षों के साथ भागीदारी बनाना; उद्यमियों, नागरिक समाज तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को जोड़ना; निवेश, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले नेटवर्क बनाना; भारत और विदेशों में बसे बिहारी समुदाय को जोड़ना और उनके ज्ञान, कौशल, संपर्क और पूंजी का बिहार के विकास में उपयोग करना।

शासन और सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत करना

कानून-व्यवस्था को मजबूत करना; प्रशासनिक और संस्थागत क्षमता में सुधार; सार्वजनिक सेवाओं की बेहतर और प्रभावी आपूर्ति; नागरिक भागीदारी और जवाबदेही; पंचायती राज और विकेंद्रीकरण; पारदर्शिता और शिकायत निवारण; राज्य की कार्यक्षमता को मजबूत करना और योजनाओं के क्रियान्वयन की कमियों को दूर करना।

कार्यक्रम की संरचना

भारत और विदेश के प्रतिष्ठित वक्ताओं के प्रमुख एवं पूर्ण सत्रों में संबोधनों के साथ-साथ, अधिवेशन में विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चाएँ और गोलमेज परिचर्चाएँ आयोजित की जाएँगी। एक विशेष गोलमेज संवाद में बिहार में कार्यरत युवा नवप्रवर्तकों और उद्यमियों तथा उनके आशाजनक विचारों को प्रस्तुत किया जाएगा।

अधिवेशन बिहार के विकास में रुचि रखने वाले और उससे जुड़े लोगों के बीच नेटवर्क बनाने के अवसर भी प्रदान करेगा।

साइड इवेंट्स

इस अधिवेशन के अंतर्गत निम्नलिखित विषयों पर आधारित कई साइड इवेंट्स आयोजित किए जाएंगे:

- निवेश और उद्यम
- ज्ञान और नीति
- प्रवासी, युवा और महिलाएँ
- संस्कृति, विरासत और आतिथ्य

योगदान देने के लिए आमंत्रण

अधिवेशन के संभावित प्रतिभागियों को अधिवेशन के किसी भी विषय (थीम) पर 300-500 शब्दों का एक संक्षिप्त लेख 26 दिसंबर 2026 तक साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। प्रत्येक लेख में तीन मुख्य मुद्दों या चुनौतियों को रेखांकित किया जाना चाहिए और व्यावहारिक रणनीतिक हस्तक्षेप के लिए प्रत्येक मुद्दे के संबंध में तीन नीतिगत उपायों का प्रस्ताव होना चाहिए। समीक्षा के बाद, चयनित लेखों को अधिवेशन की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और अधिवेशन के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा। ये संक्षिप्त लेख सम्मेलन के पैनल और गोलमेज (राउंडटेबल) चर्चाओं के दौरान गहन विमर्श के आधार के रूप में कार्य करेंगे।

पूर्व-अधिवेशन रिसर्च फोरम

बिहार के विकास पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: साक्ष्य, दृष्टिकोण और विकास के उभरते रास्ते

10–11 जनवरी 2027

शोध पत्र आमंत्रण

वैश्विक बिहार विकास अधिवेशन 2027 से पूर्व, 10-11 जनवरी 2027 को "बिहार का विकास: साक्ष्य, दृष्टिकोण और विकास के उभरते मार्ग" विषय पर दो-दिवसीय अंतराष्ट्रीय सम्मलेन आयोजित किया जाएगा। यह सम्मलेन विद्वानों, शोधकर्ताओं, विशेषज्ञों और पेशेवरों को अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत करने तथा बिहार के विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करेगा। इसमें अधिवेशन के प्रमुख विषयों के साथ-साथ राज्य के विकास से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की जा सकेगी।

बिहार के विकास संबंधी मुद्दों पर कार्य कर रहे भारत और विदेश के विद्वानों, शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों से मौलिक शोध-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। 20 नवंबर 2026 तक 300 शब्दों का सारांश (एब्स्ट्रैक्ट) या पूरे शोध-पत्र आमंत्रित हैं। प्राप्त सारांशों की समीक्षा के बाद, चयनित सारांशों के लेखकों को 25 नवंबर 2026 तक पूर्ण शोध पत्र (फुल पेपर) जमा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। 6,000–8,000 शब्दों के पूर्ण शोध-पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 26 दिसंबर 2026 होगी। इस प्रतिस्पर्धी शोध-पत्र आमंत्रण के अतिरिक्त, कुछ चुनिंदा विद्वानों को भी शोध-पत्र तैयार करने और पूर्व-अधिवेशन मंच में उसे प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

प्री-कन्वेंशन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन निम्न विषयों पर गहरी चर्चा और साक्ष्य-आधारित शोध-पत्र तैयार करने का अवसर देगा।

1. कृषि में बदलाव और ग्रामीण परिवर्तन

टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल कृषि एवं खाद्य प्रणाली; कृषि उत्पादकता और किसानों की आय; ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विविधीकरण; एफपीओ और सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को संगठित करना; बाजार से जुड़ाव और वैल्यू चेन; तकनीक, मशीनीकरण और खेतिहर श्रम; पशुपालन और मत्स्य पालन

2. लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा उद्यमिता

स्व-रोजगार और घरेलू उद्यम; कारीगर और बुनकर क्लस्टर;सड़क पर सामान बेचने वाले विक्रेता और अनौपचारिक उद्यम; पंजीकृत एमएसएमई और औद्योगिक नीति; औद्योगिक प्रोत्साहन और उद्यम विकास; ऋण और वित्त तक पहुंच; अनौपचारिक उद्यमों को औपचारिक व्यवस्था में लाना; उद्यमिता विकास, प्रशिक्षण और सहायता व्यवस्था

3. रोजगार, प्रवासन और श्रम बाजार

रोजगार सृजन और काम का भविष्य; बेरोजगारी और अधूरा रोजगार; मजदूरी और कमाई; गिग और प्लेटफॉर्म आधारित काम; बिहार में युवा आबादी के लिए अवसर और युवाओं का शिक्षा से रोजगार की ओर बढ़ना; रोजगार और शिक्षा के लिए प्रवासन; प्रवासियों द्वारा घर भेजी जाने वाली कमाई (रेमिटेंस); प्रवासी मजदूरों के अधिकार और सामाजिक सुरक्षा

4. शिक्षा और कौशल

स्कूली शिक्षा और सीखने के परिणाम; उच्च और तकनीकी शिक्षा; शिक्षा में पहुंच, गुणवत्ता और समान अवसर; शिक्षा के लिए प्रवासन; शिक्षा व्यवस्था का शासन और संस्थागत क्षमता; सरकारी संसाधन और वित्तपोषण; कौशल, प्रशिक्षण और रोजगार पाने की क्षमता

5. लैंगिक समानता, काम और महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण

महिला श्रमबल भागीदारी; बिना वेतन का काम और देखभाल का काम; जीविका और स्वयं सहायता समूह; वित्तीय समावेशन; महिलाओं की संपत्ति पर मालिकाना हक; सुरक्षा और आवाजाही; पुरुषों के बाहर पलायन का महिलाओं पर असर; उच्च शिक्षा और कौशल तक पहुंच; शिक्षा से रोजगार की ओर बदलाव

6. स्वास्थ्य, पोषण और बेहतर जीवन

सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचा और प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा; मातृ और शिशु स्वास्थ्य; बाल पोषण; आईसीडीएस, मध्याह्न भोजन और अन्य पोषण कार्यक्रम; प्रजनन स्वास्थ्य; खाद्य सुरक्षा; निजी और अनौपचारिक स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भूमिका; आयुष्मान भारत की कवरेज और उपयोग; स्वास्थ्य परिणामों में असमानता; किशोर स्वास्थ्य; बीमारी का बोझ और रोगों के स्वरूप में बदलाव; पानी, स्वच्छता और उनका पोषण व स्वास्थ्य से संबंध

7. सामाजिक सुरक्षा

गरीबी और असमानता; असुरक्षा और सामाजिक बहिष्करण; ईबीसी, एससी, एसटी और अन्य वंचित समुदाय; बुजुर्ग और दिव्यांग व्यक्ति; सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था और कल्याण कार्यक्रम; सामाजिक सुरक्षा की पहुंच, कवरेज और प्रभावशीलता में सुधार

8. शहरीकरण, छोटे शहर और शहरी शासन

गांव और शहर के बीच संबंध और शहरी बदलाव; छोटे और मध्यम आकार के शहर; नगर निकायों की वित्तीय स्थिति और संस्थागत क्षमता; आवास, स्वच्छता और बुनियादी सेवाएं; अनौपचारिक बस्तियां और शहरी आजीविका; बाढ़ और जल निकासी से जुड़ी बुनियादी सुविधाएं और प्रबंधन; शहरी स्थानीय निकायों और शासन को मजबूत करना

9. बुनियादी ढांचा, संपर्क और लॉजिस्टिक्स

सड़कें, रेल और अंतर्देशीय जलमार्ग; बिजली की पहुंच, वहनीयता और भरोसेमंद आपूर्ति; डिजिटल कनेक्टिविटी; वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स; कोल्ड-चेन बुनियादी ढांचा; आर्थिक बदलाव को गति देने वाले साधन के रूप में बेहतर संपर्क

10. जलवायु, पर्यावरण, ऊर्जा और आपदा से निपटने की क्षमता

बाढ़ और सूखा; भूजल और आर्सेनिक प्रदूषण; जलवायु-अनुकूल कृषि और अनुकूलन; आपदा की तैयारी और उससे निपटने की क्षमता; नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा तक पहुंच; हवा और पानी की गुणवत्ता में सुधार; कचरा प्रबंधन और पर्यावरणीय टिकाऊपन

11. निवेश, संसाधन और सार्वजनिक वित्त

राज्य की वित्तीय क्षमता; सार्वजनिक खर्च की गुणवत्ता और प्रभावशीलता; केंद्र से राज्य को वित्तीय हस्तांतरण; निवेश के रुझान और संसाधन जुटाना; बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय स्रोत; निजी निवेश और एफडीआई; निवेश आकर्षित करने में बिहारी प्रवासी समुदाय की भागीदारी

12. शासन, संस्थाएं और सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति

प्रशासनिक और संस्थागत क्षमता; कानून और व्यवस्था; पंचायती राज और विकेंद्रीकरण; स्थानीय शासन में महिलाओं की भागीदारी; पारदर्शिता और जवाबदेही; शिकायत निवारण; क्रियान्वयन की कमियां; सार्वजनिक सेवाओं की दक्षता और गुणवत्ता

13. तकनीक, डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा; कृषि में एआई का उपयोग; स्वास्थ्य और शिक्षा में तकनीक; लिंग और स्थान के आधार पर डिजिटल असमानता; तकनीक, रोजगार और काम का भविष्य; एआई की मदद से दी जाने वाली सार्वजनिक सेवाएँ; शासन और सेवा वितरण सुधारने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग

14. संस्कृति, विरासत, पर्यटन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था

तीर्थ और बौद्ध पर्यटन सर्किट; विरासत संरक्षण और स्थानीय आजीविका; हस्तशिल्प, कारीगर और बाजार तक पहुंच; सांस्कृतिक उद्यम; रचनात्मक उद्योग; पर्यटन बुनियादी ढांचा और संपर्क; सतत पर्यटन और स्थानीय पर्यावरण; पर्यटन आधारित विकास के लिए बेहतर इकोसिस्टम

15. बिहार: पहचान, संस्कृति और जुड़ाव

क्षेत्रीय पहचान और अपनापन; बिहार से बाहर रहने वाले बिहारी और व्यापक बिहारी प्रवासी समुदाय; दूसरी पीढ़ी के बिहारियों की पहचान; क्षेत्रीय भाषाएं और सांस्कृतिक परंपराएं; लोककथा, कला और हस्तशिल्प; संस्कृति का संरक्षण और प्रचार; विदेशों और अन्य जगहों पर बसे बिहारी प्रवासी समुदाय को जोड़ना; प्रवासी समुदाय और बिहार के विकास के बीच मजबूत संबंध बनाना

अन्य विषय

ऊपर दिए गए विषय चर्चा के लिए एक व्यापक रूपरेखा है। शोध-पत्र लिखने वाले इच्छुक लेखक बिहार के विकास से जुड़े ऐसे अन्य विषय पर भी शोध-पत्र तैयार कर सकते हैं, जो ऊपर सीधे तौर पर शामिल नहीं किए गए हैं।

- दोनों कार्यक्रमों में भागीदारी केवल आमंत्रण और पंजीकरण के माध्यम से होगी।
- कार्यक्रमों की भाषा हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों होगी।
- स्वीकृत शोध-पत्रों के लेखकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सम्मेलन के लिए पंजीकरण कराएं और यात्रा का खर्च स्वयं उठाएं।
- पीयर रिव्यू के आधार पर, आयोजक कुछ चुनिंदा शोध-पत्र लेखकों को यात्रा और अन्य खर्चों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर सकते हैं।
- सारांश और शोध पत्र जमा करने के लिए यहां क्लिक करें।

पंजीकरण

प्रतिभागी श्रेणी	पंजीकरण शुल्क
प्रतिभागी* (बिना अकोमोडेशन के)	₹4,000
प्रतिभागी** (अकोमोडेशन के साथ)	₹15,000

* प्रतिभागी (बिना अकोमोडेशन के): टोकन रजिस्ट्रेशन फ़ीस में अधिवेशन के दिनों में नाश्ता, चाय और भोजन; अधिवेशन का एक डिनर; और एक अधिवेशन किट शामिल है। इसमें रहने की सुविधा शामिल नहीं है।

** प्रतिभागी (अकोमोडेशन के साथ): टोकन रजिस्ट्रेशन फ़ीस में में चार रातों तक रहने की सुविधा; अधिवेशन के दिनों में नाश्ता, चाय और भोजन; अधिवेशन का एक डिनर; अधिवेशन वेन्यू तक आने-जाने के लिए ट्रांसपोर्ट; और एक अधिवेशन किट शामिल है। रहने की सुविधा सिर्फ़ बिहार के बाहर से आने वाले प्रतिभागियों को ही दी जाएगी।

ध्यान दें:

- छात्रों द्वारा वैध दस्तावेज प्रस्तुत किए जाने पर पंजीकरण शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।
- अकोमोडेशन की व्यवस्था सीमित है तथा यह पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों को 'प्रथम आगत, प्रथम प्राप्त' (First-Come, First-Served) के आधार पर आवंटित की जाएगी। उपलब्ध क्षमता समाप्त होते ही आवास सुविधा हेतु पंजीकरण बंद कर दिया जाएगा।
- अधिवेशन के प्रतिभागियों से अपेक्षा है कि वे अपनी यात्रा का खर्च और अन्य संबंधित व्यय अपने स्वयं के संसाधनों से वहन करेंगे। आयोजकों द्वारा कुछ चुनिंदा पैनल सदस्यों/वक्ताओं को यात्रा के लिए वित्तीय सहायता (सब्सिडी) प्रदान की जा सकती है

अपेक्षित परिणाम

- **बिहार घोषणापत्र 2027:** एक ठोस और नीतिगत दृष्टि से प्रासंगिक घोषणापत्र, जो बिहार के विकास विमर्श और योजना निर्माण में सार्थक योगदान देगा।
- **बिहार विजन 2047 पॉलिसी पाथवेज:** एक विस्तृत अधिवेशन रिपोर्ट, जो मुख्य विचार-विमर्श, अहम जानकारियों और सुझावों को एक साथ लाएगी।
- **विषयवार नीति संक्षेप** (Policy Briefs)।
- पूर्व-अधिवेशन में प्रस्तुत चयनित शोधपत्रों का **उच्चस्तरीय संपादित पुस्तकों** के रूप में प्रकाशन।
- बिहार विकास के लिए प्रतिबद्ध नीति निर्माताओं, विद्वानों, शोधकर्ताओं, उद्योग, नागरिक समाज और बिहार प्रवासी समुदाय के बीच **स्थायी ज्ञान एवं संवाद मंच**।

अधिवेशन नेतृत्व

मुख्य संरक्षक



श्री सम्राट चौधरी
मुख्यमंत्री, बिहार

संरक्षक



श्री विजय कुमार चौधरी
उप मुख्यमंत्री, बिहार

सह-संरक्षक



सुश्री श्रेयशी सिंह
उद्योग मंत्री, बिहार

संचालन समिति

अध्यक्ष

- **श्री प्रत्यय अमृत,** मुख्य सचिव, बिहार

सह-अध्यक्ष

- **श्री मिहिर कुमार सिंह,** विकास आयुक्त, बिहार

सदस्य

- **श्री एच. आर. श्रीनिवास,** अपर मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, बिहार
- **श्री के. सेंथिल कुमार,** अपर मुख्य सचिव, श्रम संसाधन विभाग, बिहार
- **श्री पंकज कुमार,** प्रधान सचिव, गृह विभाग, बिहार
- **श्री विनय कुमार,** प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार
- **श्री लोकेश कुमार सिंह,** सचिव, पर्यटन विभाग, बिहार एवं सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय
- **श्री कुंदन कुमार,** सचिव, उद्योग विभाग, बिहार एवं मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी (सीईओ), बिहार फाउंडेशन (सदस्य सचिव)
- **श्री अभय कुमार सिंह,** सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी (IT) विभाग, बिहार
- **श्री संजय कुमार सिंह,** सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय, बिहार
- **श्री मनोज कुमार सिंह,** स्थानिक आयुक्त एवं निवेश आयुक्त, बिहार
- **श्री राजीव रौशन,** सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, बिहार
- **श्री कौशल किशोर,** सचिव, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार
- **श्री नवीन कुमार,** सचिव, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (IPRD), बिहार-सह-प्रबंध निदेशक, बियाडा (BIADA)
- **श्रीमती सुजाता प्रसाद,** पूर्व सिविल सेवक एवं आई.एच.डी. बोर्ड सदस्य

अधिवेशन निदेशक

- **प्रो. अलख एन. शर्मा,** निदेशक, इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट
- **प्रो. सचिन चतुर्वेदी,** कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय

अधिवेशन टीम

अधिवेशन निदेशक

प्रोफेसर अलख एन. शर्मा
निदेशक, इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट

प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी
कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय

अधिवेशन संयोजक

सुश्री प्रियंका त्यागी
मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), आईएचडी, नई दिल्ली
ईमेल: priyanka.tyagi@ihdindia.org

डॉ अंतरा सिंह
फेलो एवं सीनियर लीड, आईएचडी-बिहार, पटना
ईमेल: antra.singh@ihdindia.org

डॉ किशोर धावला
एसोसिएट प्रोफेसर, नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर, बिहार
ईमेल: k.dhavala@nalandauniv.edu.in

अधिवेशन के सह-संयोजक

डॉ. अमित कुमार, सहायक प्रोफेसर, भूगोल विभाग, मुंगेर विश्वविद्यालय

डॉ. अनुजा, सहायक प्रोफेसर, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोशल इंक्लूजन (सी.एस.एस.आई.), जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली

डॉ. अविरल पांडे, सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, पटना विश्वविद्यालय

डॉ. चैतन्या खंडेलवाल, फेलो, आईएचडी, नई दिल्ली

डॉ. कुमार वरुण, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग, ए.एन. कॉलेज, पटना

डॉ. सुप्रिया कृष्णन, सहायक प्रोफेसर, कार्मिक प्रबंधन एवं औद्योगिक संबंध विभाग, पटना विश्वविद्यालय

संपर्क

अधिवेशन के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

biharconvention@ihdindia.org | **फोन: +91-9871177540**

अधिवेशन वेबसाइट: www.biharconvention27.com

वैश्विक बिहार विकास अधिवेशन 2027 : कार्यक्रम की एक झलक

तिथि	कार्यक्रम	मुख्य गतिविधियाँ
10 जनवरी 2027, रविवार	पूर्व-अधिवेशन रिसर्च फोरम, पहला दिन	अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन—तकनीकी सत्रों में शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ; पूर्ण सत्रों में पैनल चर्चा
11 जनवरी 2027, सोमवार	पूर्व-अधिवेशन रिसर्च फोरम, दूसरा दिन	समानांतर तकनीकी सत्रों में शोध-पत्र प्रस्तुतियाँ; पूर्ण सत्र में पैनल चर्चा; पूर्व-अधिवेशन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन; अधिवेशन-पूर्व संध्या पर गोलमेज चर्चा; सांस्कृतिक कार्यक्रम
12 जनवरी 2027, मंगलवार	अधिवेशन, पहला दिन	उद्घाटन सत्र; पूर्ण सत्र; विषयवार पैनल चर्चाएँ
13 जनवरी 2027, बुधवार	अधिवेशन, दूसरा दिन	पूर्ण सत्र; विषयवार पैनल चर्चाएँ; बिहार घोषणापत्र तथा समापन संबोधन
14 जनवरी 2027, गुरुवार	नालंदा और राजगीर भ्रमण (वैकल्पिक)	विरासत स्थलों का भ्रमण और ज्ञान-केंद्र विषयक गोलमेज चर्चा

सभी दिनों का आयोजन स्थल: सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर, पटना (गुरुवार का वैकल्पिक कार्यक्रम नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर में होगा)।

पूर्व-अधिवेशन रिसर्च फोरम : कार्यक्रम की ड्राफ्ट रूपरेखा

बिहार का विकास पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: साक्ष्य, दृष्टिकोण और विकास के उभरते मार्ग

पहला दिन : रविवार, 10 जनवरी 2027

समय	सत्र	विवरण
08:00–09:30	**पंजीकरण एवं नाश्ता**	
09:30–10:30	उद्घाटन	विषयवस्तु की रूपरेखा; एक प्रख्यात विद्वान द्वारा उद्घाटन संबोधन
10:30–11:00	चाय	
11:00–12:30	**पूर्ण सत्र 1: भारत की विकास यात्रा में बिहार: दो दशकों का बदलाव और 2047 की दिशा**	मुख्य व्याख्यान एवं पैनल चर्चा
12:30–13:30	दोपहर का भोजन	
13:30–15:30	**समानांतर तकनीकी सत्र A**	■ कृषि में बदलाव और ग्रामीण परिवर्तन ■ लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा उद्यमिता ■ रोजगार, प्रवासन और श्रम बाजार ■ शिक्षा और कौशल ■ निवेश, संसाधन और सार्वजनिक वित्त
15:30–16:00	चाय	
16:00–18:00	**समानांतर तकनीकी सत्र B**	■ लैंगिक समानता, काम और महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण ■ स्वास्थ्य, पोषण और बेहतर जीवन ■ बुनियादी ढाँचा, संपर्क और लॉजिस्टिक्स ■ शासन, संस्थाएँ और सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति ■ बिहार: पहचान, संस्कृति और जुड़ाव
18:00–18:15	अल्पावकाश	
18:15–20:00	**पूर्ण सत्र 2 : बिहार के विकास के विभिन्न दृष्टिकोणों पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के साथ गोलमेज चर्चा**	
20:00	रात्रि भोजन	

बिहार का विकास पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन: साक्ष्य, दृष्टिकोण और विकास के उभरते मार्ग

दूसरा दिन : सोमवार, 11 जनवरी 2027

समय	सत्र	विवरण
08:00–09:00	चाय एवं नाश्ता	
09:00–11:00	**समानांतर तकनीकी सत्र C**	■ सामाजिक सुरक्षा ■ जलवायु, पर्यावरण, ऊर्जा और आपदा से निपटने की क्षमता ■ तकनीक, डिजिटलीकरण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ■ संस्कृति, विरासत, पर्यटन और रचनात्मक अर्थव्यवस्था ■ शहरीकरण, छोटे शहर और शहरी शासन
11:00–11:30	चाय	
11:30–13:00	**पूर्ण सत्र 3 : समावेशी विकास : लैंगिक समानता, सामाजिक सुरक्षा और मानव कल्याण**	
13:00–14:00	दोपहर का भोजन	■ पहले पहुँचने वाले प्रतिभागियों के लिए अधिवेशन पंजीकरण डेस्क 14:00–20:00 बजे तक खुला रहेगा ■ दो समानांतर सत्र: (क) संपादित पुस्तक पर प्रकाशक एवं संपादकों की गोलमेज चर्चा; (ख) नवोदित शोधकर्ताओं के लिए नीति संक्षेप कार्यशाला
14:00–15:30	**बिहार के लिए समकालीन दृष्टिकोण, बदलाव और नीतियों पर गोलमेज चर्चा**	
15:30–16:00	चाय	
16:00–17:00	पूर्व-अधिवेशन समापन सत्र	दो दिन के विचार- विमर्श पर संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण; किसी प्रतिष्ठित विद्वान या विषय-विशेषज्ञ द्वारा संबोधन
17:00–17:30	चाय	
17:30–19:00	**अधिवेशन-पूर्व संध्या पर गोलमेज चर्चा : बिहार के विकास में राज्य के प्रवासी लोगों की भागीदारी और सहयोग**	इसमें पूर्व-अधिवेशन के प्रतिभागियों सहित अधिवेशन में पहुँच रहे प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं
19:00–20:00	**सांस्कृतिक कार्यक्रम : "बिहार में आपका स्वागत है"**	
20:00	रात्रि भोजन	

वैश्विक बिहार विकास अधिवेशन 2027 : कार्यक्रम की ड्राफ्ट रूपरेखा

पहला दिन : मंगलवार, 12 जनवरी 2027

समय	सत्र	विवरण
08:00–09:00	पंजीकरण एवं नाश्ता	चरणबद्ध प्रवेश; अधिकांश प्रतिनिधियों का पूर्व-पंजीकरण 9 जनवरी तक किया जाना चाहिए। प्रदर्शनी, निवेश डेस्क और विचार दीवार 10:00 बजे खुलेंगे
09:00–09:30	सभागार में आसन ग्रहण एवं प्रारंभिक फिल्म	“बिहार 2007 से 2027”; प्रोटोकॉल के अनुसार विशिष्ट अतिथियों के आगमन से 30 मिनट पहले प्रतिनिधियों का आसन ग्रहण करना होगा
09:30–10:45	उद्घाटन सत्र	अधिवेशन निदेशकों का स्वागत वक्तव्य; प्रधान एवं विशिष्ट अतिथियों के संबोधन; धन्यवाद ज्ञापन
10:45–11:15	चाय एवं प्रदर्शनी का अवलोकन	मीडिया कक्ष में प्रेस वार्ता
11:15–13:00	**पूर्ण सत्र 1 : बिहार के विकास को गति देना : चुनौतियाँ और अवसर**	
13:00–14:00	दोपहर का भोजन	प्रदर्शनी हॉल में स्टार्टअप प्रस्तुतियाँ और लेखक संवाद स्थल
14:00–15:30	**पूर्ण सत्र 2 : बिहार में औद्योगिकीकरण को गति देना**	
15:30–16:00	चाय	
16:00–17:30	**पूर्ण सत्र 3 : बिहार में सतत शहरीकरण का प्रबंधन**	
17:30–18:15	चाय एवं नेटवर्किंग	प्रवासी बिहारी संपर्क लाउंज का उद्घाटन
18:15–20:00	समानांतर विषयवार पैनल चर्चाएँ	■ ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि विविधीकरण और आजीविका ■ युवा, शिक्षा और रोजगार ■ निवेश बढ़ाना और वित्तीय संसाधन जुटाना ■ औद्योगिकीकरण और उद्यम विकास ■ शहरीकरण, छोटे शहर और स्थानीय विकास
20:00	रात्रि भोजन	विशेष आकर्षण : बिहारी व्यंजन

वैश्विक बिहार विकास अधिवेशन 2027 : कार्यक्रम की ड्राफ्ट रूपरेखा

दूसरा दिन : बुधवार, 13 जनवरी 2027

समय	सत्र	विवरण
08:00–09:00	चाय एवं नाश्ता	अलग कक्ष में महिला उद्यमियों के लिए नाश्ते पर संवाद
09:00–10:30	**पूर्ण सत्र 4 : बिहार में शिक्षा और कौशल विकास प्रणाली को मजबूत करना**	
10:30–11:00	चाय	
11:00–12:30	समानांतर विषयवार पैनल चर्चाएँ	■ शिक्षा और कौशल विकास ■ लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण ■ पर्यटन, विरासत और रचनात्मक अर्थव्यवस्था ■ भागीदारी, नेटवर्क और बिहारी प्रवासी समुदाय ■ शासन और सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत करना
12:30–13:30	दोपहर का भोजन	विकास साझेदारों के साथ कार्यकारी भोज (केवल आमंत्रित व्यक्तियों के लिए)
13:30–15:00	**प्रवासी दिवस पर विशेष सत्र: बिहार के प्रवासी और राज्य का विकास / जड़ें और रास्ते: बिहार को उसके प्रवासियों से फिर से जोड़ना; पुरस्कार समारोह**	
15:00–16:30	**पूर्ण सत्र 5 : कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और बिहार के विकास पर पैनल चर्चा**	
16:30–17:00	चाय	
17:00–18:30	**पूर्ण सत्र 6 : स्टार्टअप के साथ गोलमेज संवाद : बिहार में निवेश और विकास के अवसरों को बढ़ावा देना**	
18:30–19:30	**पूर्ण सत्र 7 : ब्रांड बिहार : राज्य की नई कल्पना, नई पहचान और नई कहानी**	राज्य से बाहर रहने वाले सुप्रसिद्ध लेखकों, कलाकारों, पत्रकारों और उपलब्धि प्राप्त व्यक्तियों का समागम; भागीदारी, नेटवर्क तथा प्रवासी समुदाय का विषय भी शामिल
19:30–20:00	**अधिवेशन की प्रमुख उपलब्धियाँ एवं खुली चर्चा**	
20:00–21:00	समापन सत्र	बिहार घोषणापत्र 2027 की प्रस्तुति; विशिष्ट अतिथि का समापन संबोधन; धन्यवाद ज्ञापन
21:00	रात्रि भोजन	

वैश्विक बिहार विकास अधिवेशन 2027: कार्यक्रम की ड्राफ्ट रूपरेखा

वैकल्पिक तीसरा दिन : गुरुवार, 14 जनवरी 2027

समय	सत्र
08:00–10:00	नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर के लिए प्रस्थान एवं यात्रा
10:00–12:00	नालंदा विश्वविद्यालय में कुलपतियों, विशेषज्ञों और शिक्षा क्षेत्र के नेतृत्वकर्ताओं की गोलमेज चर्चा
12:00–13:00	दोपहर का भोजन
13:00–16:00	नालंदा के पुरातात्त्विक अवशेषों और राजगीर का भ्रमण
16:00 बजे से	पटना वापसी अथवा बोधगया के लिए आगे प्रस्थान

अधिवेशन के दौरान आयोजित साइड इवेंट्स

निवेश और उद्यम

कार्यक्रम	विवरण
बिहार निवेश एवं अवसर सहायता डेस्क	विवरणिका में उल्लिखित सरकारी अधिकारियों का विशेष सहायता डेस्क: प्रोत्साहन, भूमि, बिजली और स्वीकृतियों के बारे में एकल-खिड़की मार्गदर्शन
स्टार्टअप एवं एमएसएमई प्रदर्शनी	स्टार्टअप, एमएसएमई, कृषि-आधारित उद्योग तथा मखाना, खाद्य प्रसंस्करण, चमड़ा, वस्त्र और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों के स्टॉल एवं मंडप
स्टार्टअप प्रस्तुति सत्र	आठ से दस स्टार्टअप निवेशकों के पैनल के समक्ष अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे; चयनित प्रतिभागी पूर्ण सत्र में प्रस्तुति देंगे
मुख्यमंत्री के साथ मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की गोलमेज चर्चा (केवल आमंत्रित व्यक्तियों के लिए)	निवेश की संभावित परियोजनाओं पर उद्योग जगत और प्रवासी समुदाय के नेतृत्वकर्ताओं के साथ बंद-द्वार चर्चा

ज्ञान और नीति

कार्यक्रम	विवरण
विचार दीवार एवं पोस्टर प्रदर्शनी	चयनित प्रतिभागियों के 300-500 शब्दों के लेख बोर्ड पर प्रदर्शित किए जाएँगे; अधिवेशन वेबसाइट से जोड़ने वाले क्यूआर कोड भी होंगे
बिहार डेटा एवं नीति प्रयोगशाला	बिहार के विभिन्न संकेतकों पर लाइव डैशबोर्ड, साथ ही एआई एवं डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे का प्रदर्शन क्षेत्र
प्रकाशक एवं संपादकों की गोलमेज चर्चा	संपादित पुस्तक के प्रकाशक, संपादकों और चयनित लेखकों की संशोधन की समय-सीमा पर बैठक
नीति संक्षेप कार्यशाला	नवोदित शोधकर्ता वरिष्ठ मार्गदर्शकों के सहयोग से शोध-पत्रों को दो पृष्ठों के नीति संक्षेप में रूपांतरित करेंगे
विकास साझेदारों का कार्यकारी भोज (केवल आमंत्रित व्यक्तियों के लिए)	बहुपक्षीय संस्थाएँ, फाउंडेशन और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) प्रमुख बिहार विजन 2047 की प्राथमिकताओं हेतु संयुक्त वित्तपोषण पर चर्चा करेंगे
कुलपतियों और शिक्षा क्षेत्र के नेतृत्वकर्ताओं की गोलमेज चर्चा	नालंदा विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय, विशेषज्ञ और संस्थान 'नॉलेज हब' एजेंडे पर चर्चा करेंगे।

प्रवासी समुदाय, युवा और महिलाएँ

कार्यक्रम	विवरण
प्रवासी संपर्क लाउंज एवं योगदान संकल्प दीवार	प्रवासी प्रतिनिधियों के लिए संपर्क स्थल; यहाँ व्यक्ति और कंपनियाँ मार्गदर्शन, निवेश, विद्यालय या कौशल केंद्र जैसी विशिष्ट प्रतिबद्धताएँ दर्ज करेंगी, जिन पर छह महीने बाद अनुवर्ती कार्रवाई होगी
युवा संवाद	बिहार तथा अन्य संस्थानों के विश्वविद्यालयी युवा आमंत्रित वक्ताओं से छोटे समूहों में संवाद करेंगे
महिला मंडप एवं महिला उद्यमियों के लिए नाश्ते पर संवाद	जीविका और स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के स्टॉल तथा महिला उद्यमियों और नेतृत्वकर्ताओं के लिए नाश्ते पर संवाद

संस्कृति, विरासत और आतिथ्य

कार्यक्रम	विवरण
कारीगर बाजार	मधुबनी और मंजूषा कला, सिक्की, भागलपुरी सिल्क, सुजनी कढ़ाई, टिकुली कला, बावन बूटी बुनाई, एप्लीक तथा अन्य हस्तशिल्प की कारीगरों द्वारा प्रत्यक्ष बिक्री
लेखक संवाद स्थल एवं पुस्तकों का विमोचन	बिहार के लेखकों के साथ संवाद; 'ब्रांड बिहार' पूर्ण सत्र से संबद्ध
सांस्कृतिक संध्याएँ	11 जनवरी को "बिहार में आपका स्वागत है" : लोक, शास्त्रीय और समकालीन प्रस्तुतियाँ
रात्रि भोजन के समय बिहारी व्यंजन गलियारा	क्षेत्रीय व्यंजन तथा बिहार के भौगोलिक संकेतक (जीआई) और स्थानीय उत्पाद
पटना विरासत भ्रमण	पहले पहुँचने वाले प्रतिनिधियों के लिए मार्गदर्शित विरासत भ्रमण
नालंदा, राजगीर और बोधगया भ्रमण	पर्यटन प्रदर्शनी से जुड़ा वैकल्पिक विरासत भ्रमण

BIHAR FOUNDATION
BONDING. BRANDING. BUSINESS.

Nālandā UNIVERSITY
राजगीर, बिहार

INSTITUTE FOR HUMAN DEVELOPMENT
नई दिल्ली | रांची | पटना

